सोमवार

01 दिसम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 297
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीबीआई ने की बॉबी पवार से पूछताछ

विशेष संवाददाता

देहरादून। पेपर लीक मामले की जांच में जुटी सीबीआई द्वारा आज बेरोजगार संघ के पूर्व अध्यक्ष बॉबी पवार से लंबी पूछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में सीबीआई ने टिहरी के एक कॉलेज में प्रोफेसर सुमन को पहले गिरफ्तार कर चुकी है। जिस पर इस लीक पेपर को हल करने का आरोप लगा था।

सितंबर माह में आयोजित यूकेएसएसएससी का पेपर हरिद्वार के एक परीक्षा केंद्र से लीक होने का मामला प्रकाश में आया था। इस परीक्षा केंद्र से इस परीक्षा के प्रश्न पत्र के तीन पेज परीक्षा केंद्र से उस समय बाहर आ गए थे जब परीक्षा शुरू हुए 1 घंटे का समय भी नहीं हुआ। खास बात यह है कि बेरोजगार संघ के नेताओं और पदाधिकारियों तक भी यह पर्चा तुरंत पहुंच गया था और उन्होंने इसे प्रमाण के तौर पर उसी समय वायरल कर दिया गया था। व्हाट्सएप पर इसके वायरल होते ही बेरोजगार युवाओं में आक्रोश देखा गया था तथा इसके खिलाफ देखते ही देखते राज्यव्यापी आंदोलन शुरू हो गया था।

❑अब तक हो चुकी है तीन गिरफ्तारियां, पेपर लीक मामले का होगा दूध का दूध पानी का पानी

शासन-प्रशासन द्वारा छात्रों व युवाओं के इस आंदोलन के शुरुआती दौर में इसे पेपर लीक की घटना मानने से इनकार किए जाने से इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। सरकार द्वारा एसआईटी जांच को ठुकराते हुए यह युवा छात्र सीबीआई जांच की मांग पर अड़ गए थे। जिसके कारण सीएम धामी को इसकी सीबीआई जांच के आदेश देने पर विवश होना पड़ा था। इसमें हालांकि पुलिस द्वारा आरोपी खालिद और उसकी बहन साबिया को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। सीबीआई जो वर्तमान में इसकी जांच कर रही है एक अन्य आरोपी जिसका नाम सुमन है, को गिरफ्तार किया गया है। आज सीबीआई द्वारा बेरोजगार संघ के पूर्व अध्यक्ष बॉबी पवार जिन्होंने अपने व्हाट्सएप से इसे वायरल किया था, को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है तथा उनसे पूछताछ की जा रही है। सीबीआई उनसे यह जानने की कोशिश कर रही है कि उनके पास यह पेपर कहां से आया था। समाचार लिखे जाने तक बॉबी पवार से पूछता जारी है। सीबीआई की इस जांच से क्या कुछ निकल कर सामने आता है इस विषय में अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है क्योंकि पेपर लीक मामले में एक पूरा रैकेट लंबे समय से काम कर रहा है।

ट्रेन की चपेट में आकर हाथी के बच्चे की हुई मौत

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ट्रेन की चपेट में आने से एक हाथी के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गयी। जिसके बाद गुस्साए हाथियो के झुंड ट्रेन को घेर लिया जिसके कारण कई ट्रेने घंटो बाधित रही।

मामला राजाजी टाइगर रिजर्व के मोतीचूर क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार यहां हरिद्वार से देहरादून की ओर जा रही हावड़ा एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक हाथी के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाथियों के झुंड ने ट्रेन को चारों ओर से घेर लिया, जिससे रेल यातायात ठप हो गया और कई ट्रेनें घंटों लेट हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मोतीचूर-रायवाला स्टेशन के बीच हाथियों

❑गुस्साये हाथियों ने घेरी ट्रेन, कई ट्रेन हुई लेट

का कुनबा रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही हावड़ा एक्सप्रेस वहां पहुंच गई। अधिकांश हाथी ट्रैक पार कर गए, लेकिन कुनबे के साथ चल रहा शिशु हाथी ट्रेन की चपेट में आ

गया। हादसे के तुरंत बाद हाथियों का झुंड ट्रैक के आसपास ही डटा रहा और ट्रेन को घेरे रखा। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर हावड़ा एक्सप्रेस को घटनास्थल पर ही रोक दिया गया। वहीं दिल्ली आनंद विहार जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों को रायवाला स्टेशन पर रोकना पड़ा। घटना के चलते हरिद्वार-देहरादून रेलखंड पर लंबे समय तक यातायात बाधित रहा। वन कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद हाथियों को सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ा, तब जाकर ट्रैक को क्लियर कराया जा सका।

दून वैली मेल

संपादकीय

फिर वही नेशनल हेराल्ड?

बहुचर्चित नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी ने एफआईआर दर्ज करा दी गई है। इस एफआईआर को लेकर तमाम मीडिया संस्थानों द्वारा राहुल गांधी और सोनिया की गिरफ्तारी की संभावनाएं जताई जा रही है, मीडिया ही नहीं अब तो देश का हर एक आम आदमी भी इस बात को जान समझ चुका है कि यह केस हैं और नेहरू परिवार पर लगाए जा रहे इन आरोपों में कितना दम है कि वह अनैतिक तरीके से किसी की संपत्ति को हड़पना चाहते है। इस मामले को बार-बार क्यों उठाया जाता है इस बात को सब जान चुके हैं, लंबे समय से कांग्रेस के खिलाफ एक राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किए गए इस मामले में अगर थोड़ा सा भी दम रहा होता तो अब तक कब का राहुल गांधी और सोनिया गांधी को सरकार जेल भिजवा चुकी होती। अभी बीते कुछ समय पूर्व भी ईडी द्वारा राहुल गांधी और सोनिया गांधी से कई कई दिनों तक लंबी पूछताछ की गई थी। अगर ईडी को उनके खिलाफ कुछ पुख्ता सबूत मिले होते तो इस समय उनकी गिरफ्तारी की जा चुकी होती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ईडी की किसी भी कार्यवाही का क्या उद्देश्य होता है? तथा ईडी द्वारा जिन मामलों में कार्यवाही की जाती है तथा वह अदालत में कितने साक्ष्य पेश कर पाती है और दोषियों को सजा दिला पाती है उसके स्ट्राइक रेट के बारे में भी सभी जानते हैं। विपक्ष को चुप कराने डराने और आरोपो के आधार पर ही उन्हें जेल भिजवा देने का जो इतिहास रहा है वह यह बताने के लिए काफी है कि यह संस्था सिर्फ सत्ता के इशारे पर विरोधियों को पस्त करने का एक औजार भर है। अब सवाल उठता है कि क्या राहुल व सोनिया को गिरफ्तार किया जा सकता है और जेल भेजा जा सकता है। तो इसका जवाब है नहीं। इसकी संभावना बहुत ही कम है। क्योंकि सत्ता में बैठे लोगों को इस बात का अच्छी तरह एहसास है कि अगर ऐसा हुआ तो यह उनकी इतनी बड़ी भूल भी साबित हो सकती है कि इसकी बहुत बड़ी कीमत उसे चुकानी पड़ सकती है। इसलिए ऐन संसद के शीतकालीन सत्र से पूर्व इस मुद्दे को एफआईआर के जरिए संसद में हंगामा खड़ा करना मात्र है जिससे विपक्ष का ध्यान हटाकर वह सब काम निपटाया जा सके जो वह करने में लगी हुई है। यह स्वाभाविक है कि इस सत्र में विपक्ष द्वारा वोट चोरी और तमाम राज्यों में कराई जा रहे एसआईआर तथा बीएलओ की मौत से लेकर सरकार द्वारा जीडीपी के पेश आंकड़ों से लेकर टाटा से वसूली गई वह बड़ी राशि जिसे चंदा बताया जा रहा है जैसे तमाम अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मुद्दे ऐसे हैं जिनको लेकर विपक्ष संसद में भारी हंगामा खड़ा करने की तैयारी किए बैठा है। सरकार चाहती है कि विपक्ष इन मुद्दों की बजाय सिर्फ राहुल व सोनिया पर हुई एफआईआर के विरोध में संसद से लेकर सड़कों तक उलझा रहे और यह 15 दिवसीय संसद सत्र किसी तरह से निकाला जा सके तथा विपक्ष के तीखे सवालों से बचा जा सके। राहुल गांधी के नेता विपक्ष बनने के बाद और अपनी बदलती छवि तथा बढ़ती लोकप्रियता के बीच सत्ता में बैठे लोग इस बात को बखूबी जानते समझते हैं कि उनकी गिरफ्तारी का मतलब क्या होगा? वहीं कांग्रेस के कुछ नीति नियंता अब यह चाहते हैं कि किसी भी तरह सत्ता में बैठे लोग यह गलती करें। जिससे केंद्रीय सत्ता की ताबूत में अंतिम कील ठोकना उनके लिए आसान हो जाए। अब देखना यह है कि क्या ईडी राहुल और सोनिया को गिरफ्तार करेगी और जेल भेजेगी? या फिर उसका यह कदम सिर्फ गीदड़ भभकी ही साबित होगा। राहुल और सोनिया गांधी भागे नहीं है वह दिल्ली में ही है। एफआईआर कराने वाली ईडी के अफसरो को चाहिए कि वह जाएं और उन्हें गिरफ्तार कर ले।

भारतीय ज्ञान परम्पराः हिमालयी राज्य उत्तराखंड के विशेष सन्दर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कार्यालय स। वाददाता

रूद्रपुर। सरदार भगतसिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हिंदी विभाग एवं देवभूमि विचार मंच के सँयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 30 नवबंर को एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई।जिसका विषय था- भारतीय ज्ञान परम्पराःहिमालयी राज्य उत्तराखंड के विशेष सन्दर्भ में।कार्यक्रम तीन सत्रों में सम्पन्न हुआ।प्रथम सत्र का संचालन कार्यक्रम की संयोजक डॉ बसुन्धरा उपाध्याय ने किया। उन्होंने कहा कि आज अपनी भारतीय परम्पराओं को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है इस तरह की कार्यशालाएं होती रहनी चाहिए।प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए पृथ्वीधर काला जी,अध्यक्ष देवभूमि विचार मंच,ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रज्ञा प्रवाह की उत्तराखंड इकाई राष्ट्र सेवा को समर्पित संस्था है।उन्होंने कहा कि बौद्धिक जगत के कुहासे को दूर करने के लिए ऐसी संस्थाओं की आज बहुत अधिक आवश्यकता है जो स्व जागरण के लिए प्रेरित करे।कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती उर्मिला पिंचा ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत मे ज्ञान परम्परा की शुरुआत श्रुति परम्परा से हुई है, लेखन और लिपि परम्परा बाद में आई।उन्होंने कहा कि एन ई पी में मैकाले की शिक्षा पद्धति को हटाकर भारतीय शिक्षा को स्थान दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय के विध्वंस के बाद भी हमारी समृद्ध ज्ञान परम्परा सदैव बनी रही।फेक फेमिनिज्म से दूर रहने की भी

उन्होंने बात कही।कार्यक्रम के विशिष्ट वक्त प्रो0 रवि शरण दीक्षित ने कहा कि हमारी छोटी छोटी लोक परम्परायें आज लुप्त होने की कगार पर हैं वर्तमान में उनके सरक्षण की बहुत आवश्यकता हैसाथ उन्हें लिपिबद्ध किये जाने की आवश्यकता हैकार्यक्रम की प्रस्तावना श्री कैलाश अंडोला जी प्रस्तुत किया।कृष्णचन्द्र मिश्रा जी देवभूमि विचार मंच के उद्देश्य तथा देवभूमि विचारमंच की पत्र पत्रिकाओं के विषय मे जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रो0महिपाल सिंह ने की।मुख्य वक्ता डॉ सतेंद्र राजपूत ने शोध सहयोगी संस्थायें एवं फॉडिंग एजेंसी के विषय में सभी अवगत कराया।विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ प्रभाकर त्यागी ने एवं बिपिन जोशी ने भारतीय ज्ञान परम्परा के उत्तराखंड के विशेष सन्दर्भ मेंअपने विचार रखे।

कार्यक्रम के तृतीय सत्र की अध्यक्षता प्रो0 नवीन चन्द्र लोहनी कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा की गई।उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा के विषय मे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं एन ई पी में क्या नई योजनाएं है उसपर प्रकाश डाला।साथ ही प्रो0 नवीन चन्द्र लोहनी ने छात्र छात्राओं ,शोधार्थियों एवं समस्त अतिथि प्रतिभागियों को सम्मानित कर उन्हें प्रमाण पत्र भी दिए।तृतीय सत्र के मुख्य वक्ता सुमित पुरोहित पंतनगर विश्वविद्यालय, विशिष्ट वक्ता प्रकाश जोशी जी रूद्रपुर,डॉ अरुण चतुर्वेदी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।कार्यक्रम की संयोजक डॉ बसुन्धरा उपाध्याय सहायक आचार्य हिंदी विभाग ने दूरस्थ स्थानों से पधारे विद्वानों का धन्यवाद दिया।कार्यक्रम में डॉ पारुल भारद्वाज रानीखेत, अमित जोशी बागेश्वर, कुंवरपाल सिंह,प्रो0गुरमीत सिंह, काशीपुर,संतोष कुमार पंत काशीपुर,डॉ मंजू आर्या,विशाल वर्मा देहरादून, इंद्रा,डॉ आरती मौर्या, शुभम ,डॉ नवीन नवीन चन्द्र मौलेखी,लक्ष्मी साहू,शालिनी सिंह अतुल कुमार,तिवारी ,संजना, सरबजीत कौर,दीपिका,शोधार्थी अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन डॉ शिल्पी अग्रवाल ,एवं डॉ गरिमा जायसवाल ने किया।

विश्व एड्स दिवस पर समिति ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। विश्व एड्स दिवस पर नेताजी संघर्ष समिति ने विचार गोष्ठी का आयोजन किया।

आज यहां विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन कांवली रोड स्थित नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय में किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल तथा संचालन समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने किया। गोष्ठी में वक्ताओं ने एड्स के बढ़ते रोगियों पर गहरी चिंता जताई। गोष्ठी में बोलते हुए प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि एड्स का इलाज संभव है इसमें हमें सावधानी बरतने की सख्त आवश्यकता है। स्मरण रहे की एक दिसंबर को एड्स दिवस पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है। इस विचार गोष्ठी में प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल,राज्य आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, जय बिष्ट, दानिश नूर, पारस यादव ,रणजीत जोशी, विनोद असवाल,नितिन राठौड़, गुलाम मुस्तफा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने व्यापक स्तर पर चलाया सघन चैकिंग अभियान

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने व्यापक स्तर पर सघन चैकिंग अभियान चलाय।

आज यहां जनपद टिहरी गढ़वाल में सुरक्षा-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल आयुष अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में रात्रि एवं तड़के सुबह से ही व्यापक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जनपद के प्रत्येक बैरियर, मुख्य मार्ग, बाजार क्षेत्र एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिस को हाई-अलर्ट मोड पर तैनात किया गया है। अभियान की मुख्य विशेषताएँ सभी बैरियर एवं एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर सघन चेकिंग, वाहनों, व्यक्तियों तथा संदिग्ध सामान का गहन सत्यापन किया जा रहा है। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, मुख्य मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त फोर्स को लगाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी राजपत्रित अधिकारी स्वयं प्रत्येक सेक्टर में सक्रिय रूप से मौजूद रहकर चेकिंग अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। दरोगा स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष टीमें फील्ड में लगातार गश्त कर रही हैं। हाई-इंटेंसिटी सुरक्षा व्यवस्था पुलिस कर्मियों को बॉडी प्रोटेक्टर एवं आधुनिक ऑटोमैटिक असलाहों से सुसज्जित किया गया है। हर संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। अवैध गतिविधियों पर विशेष नजर अतिक्रमण, अवैध परिवहन, अवैध गतिविधियाँ एवं सत्यापन संबंधी कार्यों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। शहर के भीतर पैदल गश्त में बढ़ोतरी मार्केट, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त को बढ़ाया गया है जिससे जनसुरक्षा को और सशक्त बनाया जा सके।

रेडक्रास समिति ने किया रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। यूथ रेडक्रॉस समिति द्वारा एड्स की रोकथाम एवं बचाव तथा रक्तदान जागरूकता पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आज यहां सरदार भगत सिंह राजकीय महाविद्यालय, रुद्रपुर में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर यूथ रेडक्रॉस समिति द्वारा एड्स की रोकथाम एवं बचाव तथा रक्तदान जागरूकता पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एड्स एवं रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना तथा उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. राजेश कुमार सिंह द्वारा सभी उपस्थित विषय विशेषज्ञों, गणमान्य व्यक्तियों और छात्र-छात्राओं का हार्दिक स्वागत से किया गया। आपने एड्स के प्रति सही जानकारी और सावधानी अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में ब्लड

बैंक, जिला चिकित्सालय, रुद्रपुर, ऊधम सिंह नगर के विषय विशेषज्ञ जे.एल. चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एड्स की रोकथाम के लिए सुरक्षित यौन संबंध, जागरूकता और परस्पर सम्मान को आवश्यक बताया। आपने विश्व में एड्स की शुरुआत के चिकित्सकीय पहलुओं के बारे में रेडक्रास के विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी , साथ ही यह भी कहा कि एड्स जैसी महामारी से मुक्त समाज के लिए सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय ऊधम सिंह नगर के काउंसलर विवेक चौहान ने विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्तदान न केवल मानव जीवन को बचाने का माध्यम है, बल्कि यह दाताओं के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक रक्तदान करने का आह्वान किया ताकि रक्त की कमी को पूरा किया जा सके।

नाक से जाने व्यक्ति का स्वभाव

नाक रीढ़धारी प्राणियों में पाया जाने वाला छिद्र है। इससे हवा शरीर में प्रवेश करती है जिसका उपयोग श्वसन क्रिया में होता है। नाक द्वारा सूँघकर किसी वस्तु की सुगंध को ज्ञात किया जा सकता है। भारत में ज्योतिष की एक पद्धति है जिसके माध्यम से हम किसी का चेहरा पढ़कर उसकी प्रकृति और व्यवहार के बारे में पता लगा सकते हैं।

इस पद्धति या कला को दक्षिण भारत में समुथीरिका लक्षणम और उत्तर भारत में सामुद्रिक विद्या कहा जाता है। इसके माध्यम से व्यक्ति का भविष्य भी जाना जा सकता है। इसी विद्या के अंतर्गत हमारी नाक जिसे अंग्रेजी में नोज कहते हैं, का विश्लेषण भी किया जाता है। कई लोगों की नाक लंबी, तो कई की छोटी होती है। किसी की चपटी तो किसी की गोल होती है। इसके अलावा इसमें भी किसी के चेहरे के आकार के अनुपात में बहुत बड़ी या एकदम छोटी होती है। अंत में नाक वैहसी भी हो, उसका छिद्र भी देखा जाता है कि यह छिद्र गोल है या लंबा, बड़ा है या छोटा। सभी का विश्लेषण करने के बाद ही तय होता है कि व्यक्ति की प्रकृति और उसका व्यवहार कैसा होता है। आओ जानते हैं कि आपकी नाक किस तरह की है और उसके अनुसार आपका व्यवहार वैहसा है।

सीधी लेकिन छोटी नाक वाला व्यक्ति धर्मात्मा और भाग्यशाली होता है। तोते के समान नाक वाला व्यक्ति उच्च पद प्राप्त करने वाला और सुखी जीवन जीने वाला होता है। बड़ी नाक वाला या हाथी जैसी नाक वाला भोगी होता है। टेढ़ी-मेढ़ी, कटी-फटी अथवा आगे से मोटी नाक वाला पाप कर्म और चोरी करने वाला होता है। जिसकी नाक का सिर्फ आगे का हिस्सा टेढ़ा हो या झुका हुआ हो तो वह आर्थिक दृष्टि से संपन्न होता है।

नाक आगे से दो भागों में विभक्त हो तो वे निर्धन माने जाते हैं। जिसकी नाक के आगे का हिस्सा दो भागों में बंटा हुआ हो, वह दरिद्र होता है। यदि नाक चार अंगुल लंबी हो या सूखी हुई-सी हो तो व्यक्ति दीर्घायु होगा। चपटी नाक वाले पुरुष की मृत्यु का कारण स्त्री होती है। हालांकि चपटी नाक वाला व्यक्ति सरल स्वभाव का होता है।

छोटी तथा चपटी नाक वाला व्यक्ति हंसमुख और सहयोगी स्वभाव वाला होता है। यदि नाक दाईं ओर झुकी हुई है तो ऐसे पुरुष क्रूर स्वभाव के हो सकते हैं, हालांकि यह कमजोर होते हैं। नीचे की ओर झुकी हुई नाक वाला व्यक्ति मनमौजी होता है। बहुत बड़ी या बहुत छोटी नाक वाले अल्प धनी माने जाते हैं। नाक के छिद्र छोटे हो तो वे शुभ माने जाते हैं। नाक के छिद्र बड़े हो तो व्यक्ति विषयासक्त होते हैं। जिसकी नाक उभरी हुई हो वह सदाचारी होगा। जिसके नथूने छोटे हों, वह भाग्यवान होता है। बड़े नथूने वाला व्यक्ति स्वस्थ होता है। नुकीली नाक वाला व्यक्ति प्रतिष्ठित पद पर रहता है।

यदि किसी स्त्री की नाक छोटी हो तो ऐसी स्त्री मजदूर स्वभाव वाली होती है। यदि किसी महिला की नाक बहुत टेढ़ी-मेढ़ी हो तो वह बहुत मेहनती और कर्मठ होती है। अत्यधिक लंबी नाक वाली स्त्री जीवन में कभी सुख प्राप्त नहीं कर पाती है, लेकिन लंबी होने के साथ यदि नाक पतली है तो यह शुभ मानी गई है। सुंदर व सुडौल और समान छिद्र वाली नाक श्रेष्ठता और भाग्य की सूचक है।

रिसते रिश्तों की बाकी कसक

शमीम शर्मा

प्राणियों में इनसान ही ऐसा जीव है जिस पर जातियों के ठप्पे लगे हुए हैं। ये जातियां ही उनकी पहचान हैं। एक समय था जब काम से जातियों की पहचान होती थी। सब अपने काम से जाने जाते थे। सब अपने काम के एक्सपर्ट थे। एक-दूसरे के पूरक थे। सबके रहने का ढंग ऐसा था कि छाती सीली कर सकें।

अरसा पहले भी छत्तीस बिरादरी की एकजुटता के किस्से प्रचलन में थे। अब सबने छाती करड़ी कर ली है। मानो एक-दूसरे की छाती पर ही मूंग दलने को तत्पर हैं। आरक्षण की आग में जले लोग छाछ को भी फूंक-फूंक कर पी रहे हैं। सच तो यह है कि अब छत्तीस जातियां छिड़ गई हैं जैसे कई बार गली में कोई बैल या झोटा छिड़ जाता है और बिना देखे रौंदता चलता है। आरक्षण की ओट में किसी ने ऐसा किस्सा छेड़ दिया है कि कहना पड़ रहा है-बचके जाइये म्हाल मक्खी का छत्ता छिड़ रह्या है।

पता नहीं किस की छांव पड़ी कि छत्तीस जातियों में आजकल छत्तीस का आंकड़ा हो गया है। अखबारों की सुनो तो अब पैंतीस बिरादरियां एकछत्र होने का दम्भ भर रही हैं। कल किसी ने मुझसे कहा कि साढ़े पैंतीस बिरादरी एक साथ हैं। साढ़े पैंतीस का आंकड़ा कहां से आया, पूछने पर पता चला कि पैंतीस तो नान-जाट जातियां और उनके साथ आधे जाट क्योंकि सारे जाट भी एकजुट नहीं हैं। हो गई साढ़े पैंतीस! आरक्षण की आड़ में हुए हुड़दंग ने कइयों के छप्पड़ फाड़ कर छक्के छुड़ा दिये।

अब खुद को दूध का धुला बताने में छाज भी जुटे हैं और छालनियां भी। सहायता राशियों के छिड़काव से आग का सेंक पता नहीं खत्म होगा या नहीं पर कानून के पेच कसूरवार की छिताई कर दें तो भविष्य में इन दंगों की पुनरावृत्ति नहीं होगी। मधुमक्खी या ततैयों का भी एक छत्ता होता है जहां झुंड के झुंड एक साथ बैठते हैं पर आजकल हरियाणा की छत्तीस जातियों में किसी का मुंह पूर्व तो किसी का पश्चिम की ओर है। अब छप्पन इंच की छाती वाले भी छिकमां कोशिश कर लें, छत्तीस को न्योतणा आसान नहीं है।

बेहतर सेहत के लिए आवश्यक विटामिन्स

विटामिन या जीवन सत्व भोजन के अवयव है जिनकी सभी जीवों को अल्प मात्रा में आवश्यकता होती है। ये कार्बनिक यौगिक होते हैं। उस यौगिक को विटामिन कहा जाता है जो शरीर द्वारा पर्याप्त मात्रा में स्वंय उत्पन्न नहीं किया जा सकता बल्कि खाने के रूप में लेना आवश्यक हो। विटामिन ए, बी, सी, डी, ई, बी-कॉम्प्लेक्स, आयोडीन, फास्फोरस, कॉपर, सिलिकॉन, आयरन, मेग्निशियम, पोटेशियम आदि तत्वों की आवश्यकता होती है।

विटामिन ए-: बालों की सुंदरता के लिए विटामिन ए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, जो इन्हें लंबा, घना व मुलायम बनाए रखता है। विटामिन ए की कमी का प्रभाव सबसे पहले बालों पर ही पडता है, वे बेजान दिखाई देते हैं। बॉडी में विटामिन ए की 1000 से 4000 यूनिट की जरूरत होती है।

विटामिन सी-: शरीर में विटामिन सी की कमी हो जाने से बालों में रूखापन आ जाता है। सिर की त्वचा पर सूखी पपड़ी जम जाती है, जिससे बालों की जडें कमजोर होती हैं और बाल गिरने लगते हैं।

विटामिन डी-: शरीर में विटामिन डी बालों को मोटा, लंबा व स्वस्थ बनाए रखता है। कई रिसर्च के अनुसार विटामिन डी शरीर की टी-कोशिकाओं की क्रियाविधि में वृद्धि करता है, जो किसी भी बाहरी संक्रमण से शरीर की रक्षा करती है। इसकी मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मुख्य भूमिका होती है और इसकी पर्याप्त मात्रा के बिना प्रतिरक्षा प्रणालीकी टी-कोशिकाएं बाहरी संक्रमण पर प्रतिक्रिया देने में असमर्थ रहती है।

विटामिन ई यह विटामिन शरीर के सेक्स हारमोन एंड्रोजन को उत्प्रेरित करता है, जो बालों को सुंदर, घना, चमकदार बनाने में सहायता करता है। हर रोज खाने में हरी सब्जी, सलाद, अंकुरित अनाज, दूध, दूध के बने पदार्थ, ताजे फल, सूखा मेवा, मछली, दालें, अंडे, चावल, चोकरयुक्त आटे की रोटी, खोपरा आदि का भरपूर सेवन करें। प्रतिदिन 6-7 लीटर पानी पिएं व कब्ज न रहने दें।

जिन विटामिनों की कमी से गंजापन आता है, उनमें विटामिन बी ग्रुप के आइनोसिटॉल और पीएबीए शामिल हैं, ये विटामिन रोमकूपों की रक्षा करते हैं। पीएबीए न केवल रोमकूपों की रक्षा करता है, बल्कि बालों को अपना कुदरती रंग बनाए रखने में भी मदद करता है।

केयरिंग की जरूरत पैरों को भी होती है

मौसम चाहे कोई भी हो, पैर हमेशा ही गंदगी का शिकार होते हैं। अक्सर धूल-मिट्टी, पानी लगने के कारण पैरों पर गंदगी की परत जम जाती है, जो सिर्फ पानी और साबुन से साफ नहीं होती है।

दरअसल, जितनी देखभाल की जरूरत चेहरे की त्वचा को होती है उतनी ही केयरिंग की जरूरत हमारे पैरों को भी होती है। इसलिए आज हम आपको पैरों की देखभाल करने के कुछ खास टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप अपने पैरों को खूबसूरत बना सकते हैं। रोजाना नहाते समय 2 मिनट का वक्त पैरों के लिए भी निकालें। नहाते समय पैरों की प्युबिक स्टोन से सफाई करें। नहाने के बाद पैरों को मॉश्चराइज करते हुए हल्के हाथों से मसाज करें। रोजाना सुबह 5 मिनट की मसाज करने से पैर जवां दिखने के साथ-साथ टेंशन को भी रिलीज करने में मदद कर सकते हैं। घर पर पैरों की देखभाल करने के लिए एक कटोरी में पानी, ग्लिसरीन, पपीता, शहद और नींबू का रस एक समान मात्रा में मिला लें। अब इसका पेस्ट बनाकर पैरों पर लगाएं। सप्ताह में 1 से 2 बार इस पेस्ट को लगाने से पैरों की स्किन नर्म और मुलायम बनेगी। अगर, आपके पैरों की चमक किसी वजह से खो गई है तो आप इसी पेस्ट को रोजाना लगा सकते हैं और खोई हुई चमक को वापस ला सकते हैं।

कंबल का इस तरह से रखें ख्याल, लंबे समय तक रहेंगे नए जैसे

कंबल सर्दियों के लिए एक जरूरी वस्तु है और इसका सही तरीके से ख्याल रखना बहुत जरूरी है। अगर आप चाहते हैं कि आपका कंबल लंबे समय तक नया जैसा दिखे और आरामदायक भी रहे तो इसके लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं। इन उपायों की मदद से आप अपने कंबल को सही तरीके से धो सकते हैं और सुरक्षित रख सकते हैं। आइए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं।

कंबल को धोने का सही तरीका

कंबल को धोते समय हमेशा लेबल पर दिए गए निर्देशों का पालन करें। ज्यादातर कंबल मशीन में धोने योग्य होते हैं, लेकिन कुछ को हाथ से धोना बेहतर होता है। अगर आपका कंबल ऊन का है तो उसे ठंडे पानी और हल्के साबुन से धोएं। इसके अलावा मुलायम ब्रश की मदद से गंदगी को साफ करें। ध्यान दें कि कंबल को धोते समय ज्यादा रगड़ें नहीं।

सुखाने का तरीका

धोने के बाद कंबल को सही तरीके से सुखाना बहुत जरूरी है। इसे खुली हवा में सुखाने की कोशिश करें ताकि नमी पूरी तरह से निकल जाए। अगर धूप निकली हो तो इसे धूप में सुखाना अच्छा रहता है, लेकिन अगर धूप न निकले तो इसे किसी हवादार जगह पर रखें। इसके अलावा इसे पलटते रहें ताकि इसकी परतें सही बनी रहें और यह जल्दी सूख जाए।

सुरक्षित रखने का तरीका

कंबल को सुरक्षित रखते समय ध्यान रखें कि यह पूरी तरह से सूखा हो। प्लास्टिक के थैलों का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे नमी बनी रहती है और फफूंद लग सकती है। इसके बजाय सूती थैले या डिब्बे का उपयोग करें। इसके अलावा कंबल को कसकर मोड़कर रखें ताकि इसकी आकार बना रहे। अगर आप लंबे समय तक इसे सुरक्षित रख रहे हैं तो बीच-बीच में इसे खोलकर हवा लगाते रहें ताकि इसकी खुशबू बनी रहे।

नियमित उपयोग में ध्यान दें

अगर आप नियमित रूप से अपने कंबल का उपयोग करते हैं तो इसे हर 2-3 हफ्ते में धोना चाहिए ताकि इसकी गंदगी दूर हो सके और यह ताजा बना रहे। इसके अलावा हर महीने में एक बार इसे धूप दिखाना भी जरूरी है ताकि इसकी खुशबू बनी रहे और बैक्टीरिया दूर हों। साथ ही कंबल को समय-समय पर पलटते रहें ताकि इसकी परतें सही बनी रहें और यह लंबे समय तक नया जैसा दिखे।

चैकिंग के दौरान पुलिस ने 1800 वाहनों व 3300 व्यक्तियों को किया चैक

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चैकिंग के दैरान 1800 वाहों व 3300 के लगभग व्यक्तियों को चैक कर सत्यापन सम्बन्धी जानकार एकत्रित की।

आज यहां आम जन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संदिग्धों की तलाश हेतु एसएसपी देहरादून द्वारा सभी अल्लीनस्थों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों संदिग्ध वाहनो/व्यक्तियों की तलाश हेतु नियमित चेकिंग के अतिरिक्त समय- समय पर अलग- अलग स्थानों पर वृहद स्तर पर आकस्मिक चौकिंग अभियान चलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में आज तड़के व्रात: से ही जनपद के नगर तथा देहात के सभी थाना क्षेत्रों में सम्बन्धित क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमो द्वारा जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों, भीड-भाड वाले स्थानों तथा अन्य संवेदनशील/महत्वपूर्ण स्थानों पर आकस्मिक रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद के सभी सीमावर्ती चौक पोस्टों/आन्तरिक मार्गो पर संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की सघन चेकिंग की गई। इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा लगभग 1782 वाहनों की सघन चैकिंग करते हुए 3374 व्यक्तियों से पूछताछ कर सत्यापन सम्बन्धित आवश्यक जानकारियां व्रापत की गई। साथ ही यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुॐ पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही गयी। एसएसपी देहरादून के निर्देशों पर पुलिस द्वारा चलाया जा रहा सघन चैकिंग अभियान लगातार जारी है।

21वीं प्रादेशिक पुलिस वॉलीबॉल/सेपक टाकरा प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 21वीं प्रादेशिक जनपदीय/वाहिनी पुलिस वॉलीबॉल/ सेपक टाकरा प्रतियोगिता वर्ष-2025 का शुभारंभ आज पुलिस लाइन रोशनाबाद हरिद्वार में बैंड की मधुर धुन के साथ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित द्वारा आयोजन सचिव/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। तत्पश्चात आयोजन सचिव/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा मुख्य अतिथि को मोमैन्टो भेंट कर उनकी उपस्थित हेतु आभार व्यक्त किया गया।

जनपद/वाहिनी की टीमों द्वारा मार्च पास कर मुख्य अतिथि को सलामी दी तत्पचात मेजबान टीम के कैप्टन द्वारा सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतिभाग करने की शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि द्वारा सभी खिलाड़ियों को संबोधन करते हुए खेल का जीवन में विशेष महत्व बताते हुए सभी खिलाड़ियों को सच्ची खेल भावना प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित कर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी गई। बता दें कि हरिद्वार पुलिस की मेजबानी में दिनांक 1 दिसम्बर से 3 दिसम्बर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में जनपद/वाहिनी की बॉलीबॉल की 16 टीमों व सेपक टाकरा की 10 टीमों के खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। इस अवसर पर जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

बालों से उलझन को दूर करने के लिए अपनाएं ये 5 आसान और प्रभावी तरीके

बालों में उलझन होना एक आम समस्या है, खासकर अगर बाल लंबे और घुंघराले हों। उलझे बाल न केवल देखने में खराब लगते हैं, बल्कि इन्हें सुलझाने में भी काफी मेहनत लगती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और कारगर तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बालों से उलझन को आसानी से दूर कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने बालों को सुलझाने में मदद कर सकते हैं।

गीले बालों पर कंडीशनर लगाएं

गीले बालों पर कंडीशनर लगाना एक अच्छा तरीका हो सकता है। यह बालों को नरम बनाता है और उलझनों को कम करता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों को हल्के गुनगुने पानी से धोएं, फिर थोड़ी मात्रा में कंडीशनर लेकर बालों की लंबाई पर लगाएं। 5-1० मिनट तक छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। इससे आपके बाल आसानी से सुलझेंगे और उनमें चमक भी आएगी।

चौड़े दांत वाली कंघी का उपयोग करें

उलझे बालों को सुलझाने के लिए चौड़े दांत वाली कंघी का उपयोग करना सबसे अच्छा होता है। यह कंघी बालों की जड़ों से शुरू होकर धीरे-धीरे नीचे तक सुलझाती है। इसे उपयोग करते समय सबसे पहले बालों की जड़ों को हल्के हाथों से कंघी करें, फिर धीरे-धीरे नीचे की ओर आएं। इस प्रक्रिया से बालों में कम टूटन होगी और वे आसानी से सुलझेंगे। यह तरीका आपके बालों को मुलायम और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

तेल की मालिश करें

बालों की उलझनों को दूर करने में तेल की मालिश बहुत मददगार होती है। इसके लिए आप नारियल या बादाम के तेल का उपयोग कर सकते हैं। थोड़ा-सा तेल हाथों में लेकर बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक हल्के हाथों से मालिश करें। इसे 3० मिनट तक छोड़ दें या रातभर छोड़कर सुबह धो लें। इससे बाल नरम होंगे और उलझन कम होगी, जिससे बाल आसानी से सुलझेंगे और स्वस्थ दिखेंगे।

हेयर सीरम लगाएं

हेयर सीरम बालों को नमी प्रदान करता है और उन्हें उलझने से बचाता है। यह खासकर तब जरूरी होता है जब आपके बाल लंबे और घुंघराले हों। नहाने के बाद या धोने के बाद सूखे बालों पर थोड़ा-सा हेयर सीरम लगाएं। इसे हल्के हाथों से पूरे सिर पर फैलाएं ताकि हर हिस्सा नमी मिले। इससे आपके बाल नरम और चमकदार बनेंगे, जिससे वे आसानी से सुलझेंगे और स्वस्थ दिखेंगे।

हेयर ट्रिमिंग कराएं

हयेर ट्रिमिंग कराने से बालों का टूटना कम हो सकता है और वे स्वस्थ रहते हैं। हर 6-8 सप्ताह में अपने बालों की कटाई जरूर कराएं ताकि दोमुंहे बालों की समस्या खत्म हो जाए। इससे आपके बाल मजबूत बनेंगे और उनकी बढ़त अच्छी होगी। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने बालों की उलझनों को आसानी से दूर कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

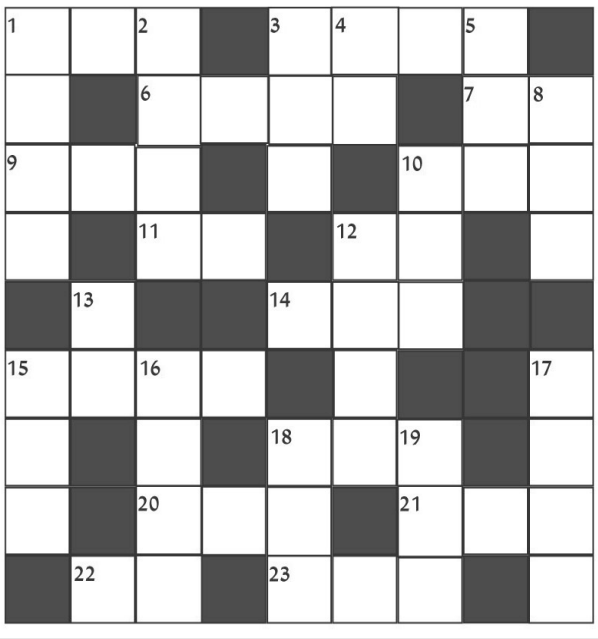

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

जन्नत जुबैर ने की ब्यूटी फिल्टर ऐप्स की आलोचना!

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपने पॉडकास्ट शो में टीवी और सोशल मीडिया स्टार जन्नत जुबैर को बुलाया। इस एपिसोड में दोनों अभिनेत्रियों ने हल्की-फुल्की बातों से लेकर कुछ गंभीर विषय, जैसे डिजिटल दुनिया, सोशल मीडिया का दबाव और आज की पीढ़ी पर उसके असर को लेकर अपने-अपने विचार साझा किए। जहां सोहा ने सवाल बड़ी सादगी से पूछे, वहीं जन्नत ने भी समझदारी से उन सवालों का जवाब दिया।

सोहा ने जन्नत से डिजिटल दुनिया से जुड़ा सवाल पूछा कि ऐसा कौन-सा ऐप है जिसे वह चाहेंगी कि यह कभी बना ही न होता। इस पर जन्नत ने बिना किसी झिझक के कहा कि वे चाहेंगी कि रैंडम ब्यूटी फिल्टर ऐप्स कभी न बने होते।

उन्होंने बताया, ऐसे ऐप्स युवाओं में अवास्तविक सुंदरता की परिभाषा गढ़ते हैं और यह मानसिक रूप से खतरनाक हो सकता है। आज की युवा पीढ़ी इन फिल्टर्स के चक्कर में खुद की तुलना नकली सुंदरता से करने लगती है, जिससे आत्मविश्वास पर बुरा असर पड़ता है।

जन्नत ने कहा, फोटो को थोड़ा-बहुत एडिट करना बुरा नहीं है। अगर किसी तस्वीर में कोई दाग-धब्बा हो या चेहरा थोड़ा थका हुआ दिखे तो हल्की एडिटिंग की जा सकती है। लेकिन जब लोग अपनी पूरी शक्ल बदल देते हैं, होंठों को बड़ा, आंखों को चमकदार, जबड़े को पतला और चेहरा बिल्कुल अलग बना लेते हैं, तो यह सही नहीं है। ऐसा करने से न केवल झूठी सुंदरता का भ्रम पैदा होता है, बल्कि लोग असलियत से दूर जाने लगते हैं।

जन्नत ने उदाहरण देते हुए बताया कि कई बार वह लोगों से मिली हैं, जिनका असली चेहरा और उनके सोशल मीडिया पर डाले गए फोटो में बहुत फर्क था। उन्होंने कहा, इन ऐप्स की वजह से अब तस्वीरों में असली चेहरा पहचानना मुश्किल हो गया है। ऐसे फिल्टर न सिर्फ चेहरे बल्कि शरीर की बनावट तक को बदल देते हैं, कमर पतली, गालों में डिंपल और आंखों में चमक जोड़ देते हैं। यह ट्रेंड वाकई डराने वाला है क्योंकि इससे लोग अपनी वास्तविक पहचान से असंतुष्ट होने लगते हैं।

शो में सोहा ने आगे जन्नत से एक और दिलचस्प सवाल पूछा, 5० मिलियन से ज्यादा लोग आपको सोशल मीडिया पर फॉलो करते हैं, क्या कभी आपको लगातार कंटेंट बनाने का दबाव महसूस होता है?

इस सवाल पर जन्नत ने बहुत सहजता से जवाब दिया। उन्होंने कहा, मैं सोशल मीडिया को किसी रणनीति या मजबूरी के तौर पर नहीं लेती। मेरा जब मन करता है, तब ही पोस्ट करती हूं। कई बार ऐसा होता है कि मैं दस दिनों तक कुछ भी पोस्ट नहीं करती, क्योंकि मन ही नहीं होता। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी मानसिक शांति है।

उन्होंने आगे बताया कि सोशल मीडिया पर हमेशा सकारात्मकता नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि कई बार लोग उन्हें या उनके परिवार को ट्रोल करते हैं। उनके करियर को लेकर सवाल उठाते हैं। लेकिन, इसके बावजूद वह कभी खुद पर शक नहीं करतीं। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा पता होता है कि मैं क्या कर रही हूं और क्यों कर रही हूं। जन्नत जुबैर ने टीवी शो फुलवा से अभिनय सफर की शुरुआत की थी। उसके बाद तू आशिकी जैसे शो में उन्होंने लीड रोल निभाया और दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज की दुनिया में कदम रखा और आज वह भारत की सफल युवा कलाकारों में गिनी जाती हैं।

साल का सबसे हिट म्यूजिकल ट्रैक बना राम चरण की पेड्डी का चिकिरी- चिकिरी!

राम चरण स्टारर सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाले फिल्म पेड्डी का नया गाना चिकिरी रिलीज होते ही इंटरनेट पर छा गया है. रिलीज़ के सिर्फ 24 घंटे में इस गाने ने धमाल मचा दिया है और हर तरफ इसके ही चर्चे हैं. यह गाना अब तक 46 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है, जो इसे साल के सबसे ज्यादा देखे और पसंद किए जाने वाले गानों में से एक बनाता है. इसका रिस्पॉन्स वाकई जबरदस्त रहा है. जब से पेड्डी फिल्म की घोषणा हुई है, तब से यह लगातार सुर्खियों में बनी हुई है. इसके अनाउंसमेंट वीडियो से लेकर फर्स्ट लुक पोस्टर्स और टीज़र की झलकियों तक, हर चीज़ ने सोशल मीडिया पर चर्चा, ट्रेंड और उत्साह को बढ़ाया है. अब चिकिरी के म्यूज़िक मैजिक ने इस जोश और चर्चा को और भी बढ़ा दिया है.

मशहूर संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा कंपोज़ किया गया यह गाना मिट्टी की खुशबू से भरे सुरों और दिल को छू जाने वाली धुनों का मेल है, जो फिल्म की जमीनी कहानी के अंदाज से बिल्कुल मेल खाता है. चिकिरी के गाने में आवाज, डांस और विज़ुअल प्रेजेंटेशन की खूब तारीफ हो रही है, इसकी ताजगी और सांस्कृतिक जुड़ाव को लोग दिल से पसंद कर रहे हैं. चिकिरी की कामयाबी को फिल्म की जबरदस्त लोकप्रियता और बढ़ती उम्मीदों का बड़ा संकेत माना जा रहा है. अब जब दर्शकों की उम्मीदें पहले से कहीं ज़्यादा बढ़ गई हैं, तो ऐसे मेंपेड्डी को साल की सबसे रोमांचक फिल्मों में से एक कहा जा रहा है. बुची बाबू सना के निर्देशन और लेखन में बनी पेड्डी में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ शिवराजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नज़र आएंगे. वेंकटा सतीश किलारू द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज़ होने वाली है.

देसी लुक में नजर आई श्रीलीला, फैंस बोले - ब्यूटीफुल

अभिनेत्री श्रीलीला ने आज अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। श्रीलीला का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। श्रीलीला ने अपना जुड़ा भी फ्लॉट किया, जिसमें मोर पंख और सफेद फूल से सजाया गया। श्रीलीला ने स्टाइलिस साड़ी कैरी की हैं। श्रीलीला इन दिनों फिल्म मास जतारा में नजर आ रही हैं। फिल्म मास जतारा में श्रीलीला के अलावा एक्टर रवि तेजा हैं।

दरअसल साउथ की फेमस एक्ट्रेस श्रीलीला एक्टिंग करने के अलावा मेडिकल की पढ़ाई भी पूरी कर चुकी हैं। साल 2००1 में जन्मी श्रीलीला ने तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में बतौर हीरोइन काफी पॉपुलैरिटी हासिल की है।

श्रीलीला को कुछ समय पहले ही साउथ के सपरस्टार अल्लू अर्जुन की फल्म पुष्पा 2 में किसिक सॉन्ग पर आइटम नंबर करते हुए देखा गया था। एक रूढ़िवादी परिवार से होने के बावजूद श्रीलीला ने मेडिकल की पढ़ाई के साथ-साथ एक्टिंग में भी अपनी पहचान बनाई है। एक्ट्रेस ने साल 2०21 में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली थी।

श्रीलीला ने फिल्म किस से अपेन एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। आपको बता दें कि श्रीलीला एक ट्रेन्ड भरतनाट्यम डांसर भी हैं। श्रीलीला बंगलुरु की फेमस गायनोकोलॉजिस्ट स्वर्णलता की बेटी हैं। उनका जन्म उनके माता-पिता के अलग होने के बाद हुआ था। जानकारी के अनुसार वह सुरपनेनी सुभाकर की बेटी हैं।

मोटापे पर पूछे गए सवाल पर भड़की साउथ एक्ट्रेस गौरी जी. किशन

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस गौरी जी. किशन सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म अदर्स सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसके चलते वह फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। पिछले दिनों ं एक्ट्रेस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं, जहां पर उनसे एक यूट्यूबर ने कुछ ऐसा पूछ लिया, जिसे सुन वह आगबबूला हो गईं और करारा जवाब दिया। इस मामले में फैंस और स्टार्स उनके सपोर्ट में उतर आए हैं और ऐसे सवाल पूछे जाने की निंदा कर रहे हैं। दरअसल, विवाद तब खड़ा हो गया जब एक यूट्यूबर ने गौरी के सह-कलाकार आदित्य माधवन से उनके वजन का हवाला देते हुए पूछा कि क्या किसी सीन के दौरान उन्हें उठाना मुश्किल था। गौरी जी. किशन ने कहा, मेरे खिलाफ की गई यह एक बेहद घटिया टिप्पणी थी, जिसका फिल्म या मेरे प्रमोशन से कोई लेना-देना नहीं था। यह सिर्फ मेरा आत्मविश्वास कम करने और मेरे आत्म-सम्मान को कम करने के लिए किया गया था। यह एक मजाक के तौर पर किया गया था, और पिछले हफ्ते हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी ने इस पर हंसी उड़ाई थी। इस मामले में गौरी के सपोर्ट में खुशबू सुंदर, ऋचा चड्ढा और चिन्मयी श्रीपदा जैसे कलाकार सामने आए और ऐसे सवालों की निंदा की।

एक्ट्रेस की बात करें तो गौरी जी. किशन लंबे वक्त से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, हालांकि उन्होंने अभी कोई भी हिंदी फिल्म नहीं की है। उन्होंने 2०18 में तमिल फिल्म 96 से फिल्मी दुनिया में एंट्री की। इस फिल्म में उन्होंने एक्ट्रेस त्रिशा के किरदार जानू के बचपन का रोल निभाया था। यह रोल छोटा जरूर था, लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की सफलता के बाद उन्हें मलयालम और तेलुगु फिल्मों से कई ऑफर मिले। 2०19 में गौरी ने मलयालम सिनेमा में मार्गमकली से डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने बिबिन जॉर्ज के साथ काम किया।

इसके बाद उन्होंने तेलुगु रीमेक जानू में वही किरदार निभाया। इस फिल्म के जरिए उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी अपनी जगह बनाई। वह कई शानदार फिल्मों में नजर आईं, जिनमें मास्टर, कर्णन और श्रीदेवी शोभन बाबू जैसी फिल्में शामिल हैं। कर्णन में उन्होंने अभिनेता धनुष के साथ स्क्रीन शेयर की और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। गौरी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। वे तमिल वेब सीरीज कागज का रॉकेट और सुजल- भंवर में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कुछ म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है।

भारत की श्रम संहिताएं: अनौपचारिकता से समावेशन की ओर

कार्तिक नारायण,

जैसे विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने भीतर देख रहे हैं। ऐसे में भारत को भी औपचारिक, औचित्यपूर्ण और गरिमामय रोजगार पैदा कर आगे बढ़ना होगा।

समूची दुनिया में आव्रजन को लेकर चिंता, अर्थव्यवस्थाओं और राजनीतिक व्यवस्थाओं को नया स्वरूप दे रही है। वैश्विक प्रतिभाओं का स्वागत करने वाले देश अब बदल रहे हैं, वे वैश्विक प्रतिभाओं के लिए पुल बनाने के बजाय अवरोध पैदा कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभाओं की तलाश अपने अंदर ही शुरू कर दी है। भारत इस बदलती हुई दुनिया में संपन्नता के लिए सिर्फ प्रतिभाओं के निर्यात पर निर्भर नहीं रह सकता। हमें उत्पादन के साथ ही अवसरों के लिहाज से भी आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके जरिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी प्रगति के साथ ही देश में अच्छे भुगतान वाले, मानकीकृत और गरिमापूर्ण रोजगार पैदा हों।

मार्टिन लूथर किंग ने एक समय कहा था, %%मानवता को ऊपर उठाने वाले हर श्रम की गरिमा और महत्व है। इसे श्रमसाध्य उत्कृष्टता के साथ किया जाना चाहिए।'' भारत की नई श्रम संहिताएं इस आदर्श को जमीन पर उतारने की दिशा में एक कदम हैं। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश को बनाने, आगे ले जाने और शक्ति देने वाले लाखों लोग सिर्फ कामगार नहीं हों, बल्कि प्रगति में हिस्सेदार बनें। इन संहिताओं का लक्ष्य अनौपचारिकता को समावेशन, स्वेच्छा को आंकड़ों और असुरक्षा को सुदृश्यता से बदल कर काम की गरिमा बहाल करना है।

भारत का श्रम परिवेश वर्षों से पैबंदों वाली दरी के समान रहा है। देश के 29 श्रम कानून बेशक अच्छे इरादे से लाए गए हों लेकिन सब मिल कर अस्पष्टता पैदा करते रहे थे। इसके परिणामस्वरूप अकुशलता का संतुलन दिखाई पड़ता था। कामगार में असुरक्षा थी और नियोक्ता संदेह में रहते थे। सरकार ने इन कानूनों को वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा की चार संहिताओं में पिरो देने का फैसला किया। यह कदम सिर्फ एक प्रशासनिक सुधार नहीं है। आधुनिकीकरण के इस अभियान में स्वीकार किया गया है कि संरक्षण और उत्पादकता को एक साथ मिलकर बढ़ना चाहिए।

इस सुधार का संबंध दृश्यता से है। नियुक्तिपत्र, वेतन की पर्ची और डिजिटल रिकॉर्ड के बिना कामगार, सरकार और बाजार दोनों की ही नजरों से ओझल रहता है। औपचारीकरण इस स्थिति में बदलाव लाता है। लिखित प्रमाण वाला हर रोजगार एक ऐसा जीवन पैदा करता है जिसकी मान्यता हो। हर डिजिटल रिकॉर्ड सामाजिक सुरक्षा से लेकर बीमा और गतिशीलता तक जाने वाला पुल होता है। यह बदलाव नियोक्ताओं को भी अनिश्चितता के बजाय एक ढांचा और स्वेच्छा की जगह आंकड़े प्रदान करता है। नियुक्ति के हर संबंध का रिकॉर्ड हो तो विश्वास को एक बुनियाद मिल जाती है।

वेतन को ही लें। भारत में विभिन्न राज्यों और उद्योगों की अलग-अलग हजारों न्यूनतम मजदूरी दरें थीं। आस-पड़ोस के जिलों के कामगारों तक को एक ही काम के लिए काफी अलग-अलग रकम मिलती थी। वेतन संहिता में मजदूरियों की एक समान परिभाषा के साथ राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी स्थापित की गई। इसके जरिए सुनिश्चित किया गया कि किसी को भी एक गरिमापूर्ण न्यूनतम सीमा से नीचे मजदूरी नहीं मिले तथा समान कार्य के लिए एक बराबर मजदूरी सिर्फ आडंबर नहीं, बल्कि नियम बन जाए। इससे श्रम के एक से दूसरे स्थान पर गमन में भी मदद मिलती है। इस संहिता ने सुनिश्चित किया कि एक से दूसरे राज्य में जाने वाले मजदूर के वेतन के अधिकार भी उसके साथ चलें।

औद्योगिक संबंध संहिता लचीलेपन और निष्पक्षता के बीच एक समान संतुलन बनाती है। भारत की अर्थव्यवस्था अब विनिर्माण, सेवाओं और तेज़ी से बढ़ते गिग क्षेत्र का मिश्रण है। लॉजिस्टिक्स, खुदरा और निर्माण जैसे कई उद्योग मौसमी माँग और परियोजना-आधारित कार्य के साथ संचालित होते हैं। निश्चित अवधि के अनुबंध अब वैध और मानकीकृत हो गए हैं। अब कंपनियां वेतन या लाभ की समानता से समझौता किए बिना नियुक्ति कर सकती हैं। कर्मचारियों के लिए लचीलेपन का मतलब अब असुरक्षा नहीं है। पुनर्कौशल निधि का निर्माण प्रतिक्रियात्मक कल्याण से सक्रिय रोज़गार की ओर बदलाव का संकेत है। नौकरी छूटने का मतलब अब चट्टान से गिरना नहीं है, यह नया सीखने और पुन: प्रवेश करने का एक सेतु बन जाता है। सामाजिक सुरक्षा संहिता यह मानती है कि भारत का कार्यबल अब फ़ैक्टरियों तक ही सीमित नहीं है। ड्राइवर, डिलीवरी पार्टनर और फ्रीलांसर जैसे काम डिजिटल अर्थव्यवस्था के नए निर्माता हैं और अब सुरक्षा के दायरे में भी हैं। यह स्वीकार करते हुए कि काम की प्रकृति बदलती रहती है लेकिन सुरक्षा की ज़रूरत नहीं बदलती, नए प्लेटफ़ॉर्म उनके कल्याण के लिए केंद्रीय कोष में योगदान देंगे। स्व-मूल्यांकन, संगठित फाइलिंग और डिजिटल रिकॉर्ड, कागज़ों के ढेर की जगह पारदर्शिता और फाइल का शीघ्र पता लगाने की क्षमता बढ़ाते हैं। इससे अनुपालन सरल हो जाता है और नीति-निर्माण अधिक स्मार्ट हो जाता है।

प्रतिष्ठा और सुरक्षा पर ध्यान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संहिता केवल व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां हेलमेट और रेलिंग लगाने के बारे में ही नहीं बनाई गई हैं। यह कार्यस्थल पर सम्मान के लिए बनाई गई हैं। नियुक्ति पत्र अनिवार्य हो गए हैं, स्वास्थ्य जाँच के मानक बनाये गए हैं और महिलाएँ अब सभी क्षेत्रों और शिफ्टों में काम कर सकती हैं, बशर्ते सुरक्षा उपायों में ऐसा प्रावधान सुनिश्चित किया गया हो जिससे बड़ी संख्या में महिलाएँ कार्यबल में शामिल हो सके। प्रवासी मज़दूर, जिन्हें लंबे समय से अपने ही देश में बाहरी समझा जाता रहा है, अब जहाँ भी वे काम करते हैं, कल्याणकारी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। यह समावेशन का वास्तविक रूप कहा जा सकता है।

सरलीकरण को शायद सबसे कम होने वाले लाभ के रूप में आंका गया है। अब 29 की बजाय एक पंजीकरण, एक लाइसेंस, एक रिटर्न भरना है। निरीक्षक अब सुविधा प्रदाता हैं। अनुपालन की बातचीत दंड की बजाए साझेदारी की ओर बढ़ रही है। छोटे उद्यमों के लिए जो भारत के रोज़गार की रीढ़ हैं, उनकी सुविधा के लिए अब अनुमोदन के लिए कम और व्यवसाय निर्माण के लिए अधिक समय है। औपचारिकता सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं है, यह उत्पादकता बढ़ाती है।

कार्यान्वयन में समय लग सकता है। राज्यों को अपने नियमों को एक समान बनाना होगा, डिजिटल प्रणालियों को सुचारू रूप से काम करना होगा, और नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों को एक दूसरे के अनुकूल बनाना होगा। लेकिन दिशा मायने रखती है। ये संहिताएँ एक स्पष्ट संकेत देती हैं। भारत एक ऐसा देश बनना चाहता है जहाँ नौकरियाँ न केवल सृजित हों, बल्कि उनकी गणना भी हो जिनमें लचीलापन और निष्पक्षता हो और जहाँ श्रमिक और नियोक्ता समान भागीदार हों, न कि एक दूसरे के विरोधी।

विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने अंदर की ओर देख रहे हैं। भारत को अपनी घरेलू श्रम प्रणाली को मज़बूत करना होगा जो पारदर्शी, सुवाह्य और निष्पक्ष हो। इन सुधारों का असली फ़ायदा तब महसूस होगा जब भारत का विकास न केवल ज़्यादा रोज़गारों से, बल्कि बेहतर औपचारिक, उच्च-वेतन और सम्मानजनक रोज़गार से भी प्रेरित हो।

इन सुधारों का अगर सावधानी और निरंतरता के साथ क्रियान्वयन किया जाए, तो ये सुधार भारत की कार्यप्रणाली को नया रूप दे सकते हैं। ये अनौपचारिकता को समावेशिता में और काम को गरिमा में बदल सकते हैं। इसको सही रूप में व्यक्त करने के लिए कर्नाटक के 12वीं सदी के बासवन्ना के इस शाश्वत संदेश कायाकावे कैलासा- काम ही स्वर्ग है से बेहतर शायद ही कोई और विचार हो। उनका आंदोलन मोची से लेकर विद्वान तक, ईमानदारी से किए गए हर पेशे को पवित्र मानता था। नई श्रम संहिताएँ इसी भावना को आगे बढ़ाती हैं कि गरिमा पद में नहीं, बल्कि प्रयास में निहित है। क्योंकि अंतत: सुधार की असली परीक्षा उसके पारित होने में नहीं, बल्कि उसको व्यवहार में लाने पर होती है।

लेखक अपना.को के साथ जुड़े हैं और आजीविका के भविष्य, प्रौद्योगिकी और भारत के श्रम सुधारों पर लिखते हैं।

सू- दोकू

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 30 का हल

3	9	6	8	[illegible]	[illegible]	4	7	1
8	2	5	1	[illegible]	[illegible]	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	8	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

दांतों को चमकाने के अलावा कई कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है टूथपेस्ट

आमतौर पर टूथपेस्ट का इस्तेमाल दांतों की सफाई के लिए किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि टूथपेस्ट कई अन्य कामों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है? यह एक खास उत्पाद है, जो न केवल दांतों को साफ करता है, बल्कि घर के छोटे-मोटे कामों में भी मदद करता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिनके लिए आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिंक की सफाई करें

सिंक की सफाई करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक ब्रश पर थोड़ा-सा टूथपेस्ट लगाकर सिंक पर रगड़ें, फिर गुनगुने पानी से धो लें। इससे सिंक की चमक वापस आ जाएगी और जमी हुई गंदगी भी हट जाएगी। टूथपेस्ट में मौजूद सफाई करने वाले तत्व गंदगी को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सफाई करना आसान हो जाता है।

कांच की चमक बढ़ाएं

अगर आपके घर में कांच की चीजें हैं तो उनकी सफाई के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े पर थोड़ा-सा टूथपेस्ट लगाकर कांच की चीजों को हल्के हाथों से रगड़ें, फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। इससे कांच की चीजें नई जैसी चमक उठेंगी और उनकी गंदगी भी दूर हो जाएगी। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो कांच की चीजों का शौक रखते हैं।

चाय, कॉफी या तेल के दाग हटाएं

चाय, कॉफी या तेल के दाग कपड़ों से हटाने के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए दाग वाले हिस्से पर थोड़ा-सा टूथपेस्ट लगाकर उसे हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएगा और कपड़ा नया जैसा दिखेगा। यह तरीका खासतौर पर सफेद कपड़ों पर अच्छा काम करता है।

फर्श की सफाई करें

फर्श की सफाई करने के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक बाल्टी पानी में थोड़ा-सा टूथपेस्ट मिलाकर उसे अच्छे से घोल लें, फिर इस मिश्रण को फर्श पर डालकर झाड़ू लगाएं। इससे फर्श की गंदगी साफ हो जाएगी और उसकी चमक भी बढ़ जाएगी। टूथपेस्ट में मौजूद सफाई करने वाले तत्व गंदगी को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सफाई करना आसान हो जाता है।

जूते चमकाएं

जूते चमकाने के लिए भी आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए थोड़ा-सा टूथपेस्ट लेकर उसे जूते पर लगाकर ब्रश करें, फिर गीले कपड़े से पोंछ लें। इससे आपके जूते नए जैसे चमक उठेंगे और उनकी गंदगी भी दूर हो जाएगी। इन तरीकों से आप आसानी से अपने घर के कई छोटे-मोटे काम कर सकते हैं बिना किसी मेहनत या खर्च के। अगली बार जब आप टूथपेस्ट खरीदें तो इन उपायों को जरूर आजमाएं!

तीन हत्याकांडों का खुलासा नहीं होने से सीमांत में आक्रोश

हमारे संवाददाता

मुनस्यारी। मुनस्यारी तथा धारचूला बचाओ संघर्ष समिति ने तीन हत्याकांडों की एस.आई.टी.जांच के बाद भी असली अपराधियां के आज तक नहीं पकड़े जाने पर आक्रोश प्रकट किया। समिति ने 5 दिसंबर को तीनों हत्याकांडों की सीबीआई जांच की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय के आगे धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पुलिस असली अपराधियों को आज तक नहीं पकड़ पा सकी है। इसलिए अब हमें पुलिस पर कोई भरोसा नहीं है।

समिति के संयोजक तथा निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा मुख्य सचिव को पत्र भेजकर पुलिस की कार्रवाई पर असंतोष प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश के बाद एस.आई.टी.गठित हुई। उसके बाद भी पुलिस आज तक असली अपराधियों को जेल के सलाखों के पीछे नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने बताया कि नाचनी थाना के अंतर्गत बोरा गांव निवासी बसंती देवी शाही, मुनस्यारी थाना के अंतर्गत पातो निवासी प्रदीप दरियाल तथा पिथौरागढ़ कोतवाली के अंतर्गत मेतली (धारचूला) निवासी प्रकाश सिंह बिष्ट के हत्याकांड का अभी तक खुलासा नहीं होना पुलिस का नकारापन है। उन्होंने कहा कि पुलिस इन हत्याकांडों के शिकार हुए परिवार के परिजनों से बातचीत तक नहीं कर रही है। उनके परिजनों के द्वारा दिए गए सुझाव को अमल में नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब खुलासा करना उत्तराखंड पुलिस के बस की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच की मांग को लेकर 5 दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय के आगे धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले से लेकर देहरादून तक धरना प्रदर्शन करने की रणनीति बना दी गई है। 5 दिसंबर को इसकी भी घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुनस्यारी दौरे के दौरान पुलिस अधीक्षक से कहा था कि अगर उन्हें इन जांचों के लिए राज्य सरकार से भी किसी प्रकार की मदद चाहिए, उसके लिए भी सरकार तैयार है। उन्होंने आश्चर्य की प्रकट किया कि आखिर क्यों पिथौरागढ़ की पुलिस राज्य सरकार से मदद नहीं ले रही है, न ही खुलासा कर पा रही है।

❑अब उठी सीबीआई जांच की मांग, 5 दिसंबर को डीएम कार्यालय की घेराबंदी

सोशल मीडिया में युवती का वीडियो वायरल करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। युवती का वीडिया सोशल मीडिया में वायरल करे पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश निवासी व्यक्ति ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी बेटी का वीडियों सोशल मीडिया में प्रसारित कर उसके मान प्रतिष्ठा को दाग लगाकर उसकी बदनामी की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ' सम्मेलन में प्रतिभाग करेंगे कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों को देते हुए प्रदेश कांग्रेस के एआईसीसी सदस्य व वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि 'संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ' सम्मेलन तीन दिसम्बर को आयोजित होगा।

आज यहां देश के संविधान पर पिछले ग्यारह सालों से लगातार हमले हो रहे हैं और वर्तमान केंद्र सरकार भाजपा व आरएसएस के क्रियाकलाप यह इशारा कर रहे हैं कि देश का संविधान व लोकतंत्र दोनों खतरे में हैं लेकिन कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता संविधान व लोकतंत्र को बचाने के लिए बड़े से बड़ा बलिदान करने को तैयार है और इसी कड़ी में आगामी तीन दिसंबर को प्रात: ग्यारह बजे से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी का अनुसूचित जाति विभाग एक वृहद 'संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ' सम्मेलन आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष मदन लाल के संयोजकत्व में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में पार्टी के अनेक राष्ट्रीय नेता प्रतिभाग कर रहे हैं जिनमें सीडब्लूसी सदस्य सरदार गुरदीप सिंह सप्पल, कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय प्रभारी के राजू, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, विभाग के प्रदेश प्रभारी सुखविंदर सिंह कोटली, पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा, पीसीसी अध्यक्ष गणेश गोदियाल, सीडब्लूसी सदस्य करण माहरा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष डॉक्टर हरक सिंह रावत आदि प्रमुख नेता शामिल हैं। धस्माना ने कहा कि इस सम्मेलन के बाद पार्टी प्रदेश व्यापी जन जागरण अभियान चला कर भाजपा की साजिशों का पर्दाफाश करेगी।

चरमराती ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर लालचंद शर्मा ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता

देहरादून। राजधानी की चरमराती यातायात व्यवस्था को लेकर कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां राजधानी देहरादून की लगातार बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। शहर में रोजाना लगने वाले लंबे जाम, अवैध पार्किंग, अनियंत्रित सार्वजनिक परिवहन और ट्रैफिक पुलिस की कमी के मुद्दे पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। शर्मा ने कहा कि देहरादून की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कदम न उठाए जाने के कारण जनता को रोजाना भारी यातना झेलनी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि घंटाघर, सर्वे चौक, आईएसबीटी, बल्लूपुर, रायपुर रोड, प्रेमनगर सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सड़कें "खुली पार्किंग" में बदल चुकी हैं, जिससे 5-10 मिनट का रास्ता तय करने में आधा से एक घंटा लग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनियंत्रित ऑटो, विक्रम, ई-रिक्शा और सिटी बसों का मनमाना संचालन, ओवरलोडिंग, बिना निर्धारित स्टॉप के यात्रियों को उतारना-चढ़ाना, बेतरतीब पार्किंग और अतिक्रमण जाम के मूल कारण हैं। कई स्थानों पर खराब पड़े ट्रैफिक सिग्नल और ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति ने समस्या को और बढ़ा दिया है। ज्ञापन में यातायात सुधार के लिए प्रमुख सुझाव दिए गए। शर्मा ने किशननगर, बिंदाल, बल्लूपुर, प्रिंस चौक, राजपुर और कारगी चौक में शराब की दुकानों के बाहर लगने वाले जाम पर चिंता जताते हुए कहा कि इन दुकानों पर ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए दुकानदारों की ओर से गार्ड तैनात किए जाएं और पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित हो। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि शहर में रात-दिन ओवर स्पीड और ओवरलोड डम्पर दौड़ रहे हैं, जो सड़क हादसों को न्यौता दे रहे हैं। इन पर तत्काल रोक लगाई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब माँगा जाए। अंत में लालचंद शर्मा ने एसएसपी से आग्रह किया कि राजधानी की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने हेतु तत्काल और प्रभावी कदम उठाए जाएं, जिससे आम जनता को वास्तविक राहत मिल सके। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता दीप चंद वोहरा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम नीनू सहगल, सुनील बांगा, अर्जुन सोनकर, वीरेंद्र बिष्ट, प्रदेश सचिव प्रवीन त्यागी, एतात खान, अनूप कपूर, प्रेमलता भर्तरि, आकाश राणा, आशु रतूड़ी, भरत शर्मा, शालिम सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गीता जयंती पर किया गीता का पाठ

संवाददाता

देहरादून। श्री श्याम सुंदर मंदिर पटेल नगर में ज्ञानानंद महाराज के आह्वान पर एक साथ गीता पाठ कार्यक्रम गीता जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित किया गया।

आज यहां श्री श्याम सुंदर मंदिर पटेल नगर में ज्ञानानंद महाराज के आह्वान पर एक साथ गीता पाठ कार्यक्रम गीता जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित किया गया। जिसमें ज्ञानानंद महाराज के आह्वान पर गीता जी के तीन श्लोक का पाठ ठीक 11 बजे किया गया। प्रथम मध्य एवं अंतिम श्लोक का पाठ किया गया तथा इसी के साथ-साथ गीता जी के 12वे अध्याय का पाठ भी किया गया और गीता सार भी सभी को सुनाया गया। इस अवसर पर मंदिर के महामंत्री गोविंद मोहन ने कहा की गीता एक ऐसा ग्रंथ है जिसे भगवान कृष्ण ने स्वयं अपने श्रीमुख से सुनाया, जिसे सुनने के पश्चात ही मोहग्रस्त अर्जुन धर्म युद्ध के लिए तैयार हुआ। महाभारत के कुरुक्षेत्र में श्री कृष्ण भगवान ने 18 अध्याय 700 श्लोक का वाचन किया यही ग्रंथ आज विश्व का सिरमौर ग्रंथ है। विश्व को राह दिखाने वाला है आज जब भी हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश जाते हैं या कोई विदेशी राष्ट्रीय अध्यक्ष हमारे देश में आता है तो उन्हें सर्वप्रथम गीता जी ही भेंट की जाती हैं। आज के इस गीता जयंती के कार्यक्रम में मंदिर समिति के प्रधान अवतार शर्मा मुनियाल, महामंत्री गोविंद मोहन, चंद्र मोहन आनंद, ओमप्रकाश सूरी, विनोद कपूर, प्रेम भाटिया, यशपाल मग्गो, वीरेंद्र कपूर, महेंद्र सभरवाल, श्रीमती रमा तनेजा, कमलेश सूरी, मधु साहनी, पुष्पा डांग, मधु माटा, संगीता जुनेजा, बबली जुनेजा, उर्मिला रावत, श्रीमती आनंद रावत, बिना कपूर, कविता गोगिया, खुशी कोहली, ऋतु भटिया इत्यादि बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित थे।

गुरु जी के शुकराना सत्संग कार्यक्रम में हुई फूलों की वर्षा

संवाददाता

ऋषिकेश। गुरुजी के शुकराना सत्संग कार्यक्रम में फूलों की होली की वर्षा का सत्संगियों ने खूब आनंद उठाया।

ऋषिकेश हाई परिसर ने अपनी स्थापना के एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए। इस अवसर पर ऋषिकेश हाई परिसर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापार जगत से जुड़े लोगों और विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। वर्षगांठ के अवसर पर गुरूजी का शुक्राना सत्संग आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के पारंपरिक तरीके से स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लाइव म्यूजिक और विशेष लजीज व्यंजनों की भी शानदार व्यवस्था की गई थी, जिसे मेहमानों ने खूब सराहा।

शुक्राना सत्संग के सुअवसर पर सुश्री कैश अरोरा ने अपनी मधुर गायकी से भजन भेंट किये। इस अवसर पर ऋषिकेश हाई की मालिकिन श्रीमती सोनल आनन्द ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले एक वर्ष में हमें ग्राहकों का जो विश्वास और स्नेह मिला है, वही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। हमारा उद्देश्य हमेशा बेहतरीन सेवा, स्वच्छता और अतिथि संतुष्टि को प्राथमिकता देना रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में ऋषिकेश हाई में कई नई सुविधाएँ जोड़ी जाएंगी, जिनमें विशेष पारिवारिक पैकेज, विवाह आयोजन, आउटडोर कैटरिंग आदि शामिल हैं। समारोह के अंत में केक काटकर ऋषिकेश हाई की पहली वर्षगांठ मनाई गई।उपस्थित अतिथियों ने होटल की सेवाओं की खुले दिल से प्रशंसा की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ऋषिकेश हाई आज शहर में आरामदायक ठहराव, स्वादिष्ट भोजन और उत्कृष्ट सेवा के लिए एक भरोसेमंद पहचान बन चुका है। सत्संग में पार्षद सिमरन उप्पल, दिल्ली भाजपा युवा नेता सोनू अहूजा, गुरूजी के बड़े मंदिर से सेवादार रविन्द्र, पारस, शिमला से डॉ वंदना और डॉ मुनीश गोयल, दिल्ली से एसोसिएट प्रोफेसर सुश्री सोनम अरोरा, दिल्ली के स्कूल सिटी हाइट्स की प्रधानाचार्य श्रीमती शिम्पी अहूजा, अमित उप्पल, श्रीमती निकिता दमीर, विशाल आनंद, बैंक कर्मी सहित ऋषिकेश हाई के शुभचिंतक, गणमान्य नागरिक अधिकांश संख्या में उपस्थित थे।

बनभूलपुरा में कड़े सुरक्षा प्रबंध

❑कल आ सकता है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के बहुचर्चित बनभूलपूरा दंगा कांड पर चल रही सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही पूरी हो चुकी है कल इस मामले में सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला सुना सकता है। जिसके मद्देनजर शासन प्रशासन चौकन्ना है।

उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष हल्द्वानी के भूलपुरा में रेलवे की जमीन से हाई कोर्ट के आदेश पर की जाने वाली अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान व्यापक स्तर पर हिंसा और आगजनी की घटनाएं हुई थी। जिसमें दंगाइयों ने पुलिस थाने-चौकी तक को फूंक डाला था और कई लोगों की मौत भी हो गई थी। पुलिस द्वारा इस मामले में सैकड़ो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी जिसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है।

रेलवे के 29 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे का यह मामला अति गंभीर इसलिए भी बन गया था क्योंकि इस जमीन पर जिसका क्षेत्रफल 29 एकड़ है। यहां न सिर्फ 4365 भवनों का निर्माण किया जा चुका है। अपितु इस पर स्कूल-मदरसे और कई धार्मिक स्थलों का भी निर्माण किया जा चुका है। इतने बड़े भूभाग पर यह अतिक्रमण रातों-रात नहीं हुआ है। यहां रहने वाले लोगों के पास राशन कार्डों से लेकर आधार कार्ड, बिजली पानी के बिलों सहित तमाम ऐसे दस्तावेज है जो इस बात का सबूत है कि वह लंबे अरसे से यहां रह रहे हैं। जिनके आधार पर ही वह कई बार अदालत से राहत पा चुके हैं।

❑मुख्यमंत्री बोले सभी तैयारी कर ली हैं
❑कानून व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है

रेलवे की इस जमीन पर किए गए अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा कल क्या फैसला सुनाया जाता है यह तो फैसले के बाद ही पता चल सकेगा लेकिन फैसले के बाद कानून व्यवस्था की कोई समस्या न खड़ी हो इसे लेकर शासन प्रशासन द्वारा कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। जिलाधिकारी व एसएसपी द्वारा स्थानीय लोगों के साथ वार्ता तो की ही गई है साथ ही पुलिस फोर्स की तैनाती से लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि बनभूलपुरा का मामला अदालत में है। कानून व्यवस्था चाक चौबंद है। उनका कहना है कि बनभूलपुरा रेलवे के मुख्य पड़ाव के मद्देनजर ही नहीं पहाड़ और मैदान का मुख्य केंद्र बिंदु है। उनका कहना है कि न्यायपालिका का आदेश सबको मान्य होना ही चाहिए उन्होंने साथ ही कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अभी से तैयारी कर ली गई है।

छह लाख की चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नौ माह पूर्व एक प्रतिष्ठान का लाक तोड़कर हुई 6 लाख रूपये की चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार ह जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बेंदाता हाईट्स काशीपुर निवासी तुषांक अग्रवाल पुत्र राजीव अग्रवाल ने बीते 4 मार्च को आईटीआई पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मौहल्ला जसपुर खुर्द स्थित काशीपुर गैस एंजेसी के समीप गंगा बाथ एंड आर्टस इम्पोरियम के नाम से प्रतिष्ठान है। बताया कि 3 मार्च को रोजाना की भाँति जब वह प्रतिष्ठान पर पहुंचा तो उसके देखा की 3 गल्लों के लॉक टूटे थे और उसमें से लगभग 6 लाख रूपये गायब थे।

सीसीटीवी कैमरों द्वारा पता चला कि अज्ञात चोरों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। मामले मे पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरो की तलाश में जुटी पुलिस टीम को सूचना मिली कि गुलड़िया रोड स्थित मानपुर दत्त राम तिराहे के समीप दो संदिग्ध घटना से संबंधित संदिग्ध एक्टीविटी में है। पुलिस ने सूचना के आधार पर मौके की घेराबंदी की तो मौके पर सवार पीछे बैठा व्यक्ति भाग निकला जबकि बाईक चालक पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम ग्राम हुसैनपुर थाना कुंदरकी जनपद मुरादाबाद निवासी सोमपाल पुत्र नत्थु बताया जबकि फरार साथी का नाम गागन तिराहा संभल रोड थाना कटघर जनपद मुरादाबाद निवासी उमेश पुत्र प्रेमपाल बताया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में उसने बताया कि साथी उमेश के साथ मिलकर उसने मार्च 2025 में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने 2 लाख 5 हजार रूपये बरामद किये। आईटीआई थानाध्यक्ष कुंतन सिंह रौतेला ने बताया कि फरार आरोपी को भी जल्द ही सलाखों के पीछे किया जायेगा।

चाकू सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक धारदार चाकू भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली लक्सर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस कस्बा क्षेत्र में पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी क दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ।

पूछताछ में उसने अपना नाम आशु वर्मा पुत्र जय सिंह वर्मा निवासी वार्ड नं. 11, केशव नगर, कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट की धाराओ मे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

2 किलो 50 ग्राम गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो किलो 50 ग्राम गांजे के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के 'ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025' के विजन को साकार करने के लिये एसएसपी देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त लोगों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में लगातार ऐसे लोगों के विरूद्ध अभियान चलाते हुए वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में सहसपुर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान मिली सूचना पर सहसपुर सभावाला मार्ग चोरखाले के पास से एक महिला को 02 किलो 50 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है। उसके विरुद्ध थाना सहसपुर पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम ससो उर्फ रसो पत्नी दीवान नाथ निवासी सपेरा बस्ती चोरखाला सहसपुर, थाना सहसपुर बताया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एसएसपी के निर्देशों पर 'ड्रग्स फ्री कैम्पस' अभियान के तहत बड़ी कार्यवाही

200 छात्र-छात्राओं का रेंडमली ड्रग्स किट से किया गया यूरिन टेस्ट

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर प्रेमनगर व क्लेमनटाउन क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में पुलिस ने अभिया चलाकर 20 छात्र-छात्राओं का रेंडमली ड्रग्स किट से यूरिन टेस्ट किय गया।

आज यहां मुख्यमंत्री उत्तराखंड के "ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025" के विजन को साकार करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशों पर दून पुलिस द्वारा सम्पूर्ण जनपद में ड्रग्स फ्री कैम्पस' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस द्वारा जनपद में स्थित सभी शिक्षण संस्थानों में पढने वाले सभी छात्र-छात्राओं से उनका ड्रग्स टेस्ट कराये जाने हेतु कन्सर्ट फार्म/शपथ पत्र भराये गये थे,जिसके क्रम मे आज पुलिस-प्रशासन व डाक्टरों की सयुक्त टीम द्वारा प्रेमनगर तथा क्लेमेंटाउन क्षेत्र में स्थित अलग-अलग निजी शिक्षण सस्थांनों में बिना पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण किया गया तथा संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में से 100-100 छात्र-छात्राओं के ड्रग्स टेस्ट किट के माध्यम से रेन्डमली यूरीन टेस्ट किये गये, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं की रिपोर्ट नेगेटिव आयी। इससे पूर्व भी पुलिस द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 227 छात्र-छात्राओं का मेडिकल टेस्ट कराया जा चुका है। दून पुलिस का नशे की गिरफ्त में आये छात्र-छात्राओं का कडा व स्पष्ट संदेश कि यदि कोई भी छात्र-छात्रा किसी भी प्रकार के नशे का सेवन करता पाया जाता है, तो उसके तथा सम्बधिन्त शिक्षण संस्थान के विरूद्व भी कडी कार्यवाही की जायेगी। अभियान के दौरान शिक्षण संस्थाान में मौजूद अन्य छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने तथा नशे की दुष्परिणामों की जानकारी दी गयी। अभियान के क्रम में अन्य शिक्षण संस्थानो में भी औचक निरीक्षण की तैयारी की जा रही है। निजी शिक्षण संस्थान में अध्यनरत स्थानीय व अन्य राज्यों से आए छात्र-छात्राओं द्वारा दून पुलिस की इस पहल की प्रशंसा की गई, साथ ही कई छात्र - छात्राओं द्वारा पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई की जानकारी अपने अभिभावको को भी दी गई, जिनके द्वारा भी छात्र हित मे पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।

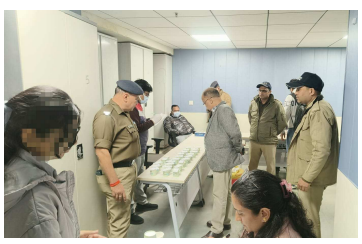

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।